

तू ही मेरी दुर्गा-तू ही मेरी काली
 दोऊ रूप एक लागे मर्कट ॥2॥
 चरणों में मोहे जगहा दैयो मेरी मैया ॥2॥
 दोऊ रूप एक लागे मर्कट
 चरणों में मोहे-----
 सिंगा सवारी पे आई हो मैया
 पार लगा दो मर्कट सबकी मैया
 तेरी दूटा है, निराली मेरी मैया
 दोऊ रूप एक----तू ही-----

जनम-जनम से आस लगी है
 चरणों के तेरे प्यास लगी है
 तू ही मैया शेरवाली-मेरी मैया ॥2॥
 दोऊ रूप एक----तू ही-----

शिश मुकुट गले- मोतिन माला
 चक्र-त्रिशूल लिये- हाथ में ज्वाला
 तेरी-सवारी निराली-मेरी मैया ॥2॥
 दोऊ रूप एक-----
 तू ही मेरी-----

जो भी तुमको शीश नवाये
हर भक्तों को ठाले तू लगाये
करतीं सदा रखवाली मेरी मैया ॥२॥

दोऊ रूप एक ---- तू ही-----

संसारी रुपी बगीचा बना दओ
प्राणी सें तुमने खूबई सजा दओ
बन खें आजा मेरी माली मेरी मैया ॥२॥

दोऊ रूप एक ---- तू ही-----

सब भक्तों को तुमने तारे
चरणों में चमके तेरे चाँद सितारे
दाई घटा मतवाली - मेरी मैया ॥२॥

दोऊ रूप एक ---- तू ही-----

चरण तुम्हारे भूल न पायें
साँझ- सबेरे- तुम्हारे गुन गायें
दास "श्रीबाबा श्री" आया खाली मेरी मैया ॥२॥

दोऊ रूप एक ----

तू ही मेरी दुर्गा-----